

2012
B.A./B.Sc. (General) Third Semester
Sanskrit (Elective)
Paper : Shri Madhbhagvad Geeta Avem Vyakaran

Time allowed: 3 Hours

Max. Marks: 90

X-X-X

नोट: क) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

ख) सुलेख तथा भाषा की शुद्धता पर ध्यान दीजिए।

ग) प्रत्येक प्रश्न के सभी भाग एक ही स्थान पर कीजिए।

प्रश्न 1: किन्हीं दो श्लोकों का सप्रसंग अनुवाद एवं व्याख्या कीजिए ?

(2x7=14)

क) यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्॥

ख) न मां कर्माणि लिम्पन्ति न मे कर्मफले स्पृहा।
इति मां योऽभिजानाति कर्मभिर्न स बध्यते॥

ग) यदृच्छालाभसन्तुष्टो द्वन्द्वातीतो विमत्सरः।
समः सिद्धावसिद्धौ च कृत्वापि न निबध्यते॥

घ) श्रद्धावान् लभते ज्ञानं तत्परः संयतेन्द्रियः।
ज्ञानं लब्ध्वा परां शान्तिमचिरेणाधिगच्छति॥

प्रश्न 2: किसी एक सूक्ति की सप्रसंग व्याख्या कीजिए ?

(1x6=6)

क) धर्मसंस्थापनार्थाय संभवामि युगे युगे।

ख) गहना कर्मणो गतिः।

प्रश्न 3: श्रीमद्भगवद्गीता की सार्वभौमिकता में चतुर्थ अध्याय के योगदान पर चर्चा करें ?

(5)

अथवा

श्रीमद्भगवद्गीता के प्रतिपाद्य विषय पर प्रकाश डालिए ?

प्रश्न 4: किन्हीं दस शब्दों को संस्कृत में लिखिए ?

(10x1=10)

कम्बल, कोट, दरी, धोती, पैंट, शेरवानी, कंगना, कान की बाली, आयना, हार, कंधी, महावर, सिंदूर, मंजन, क्रीम।

प्रश्न 5: किन्हीं पांच शब्दों की सन्धि/सन्धिविच्छेद कीजिए ?

(5x1=5)

दुस्+चरित्रम्, उत्+चारणम्, कृष्+नः, जगत्+नाथः, कुं+ठितः, नन्दितः, सन्नन्तः, तल्लीनः, यज्ञः, सज्जनः।

प्रश्न 6: किन्हीं पाँच शब्दों के विग्रहपद/समस्तपद लिखिए ?

(5x1=5)

रामश्च+श्यामश्च, माताच+पिताच, होताच+पोताच, यूकाश्च+लिक्षाश्च एषां समाहारः, भ्राताच+स्वसाच, सुखदुःखम्, तौ, शब्दार्थौ, पाणिपादम्, इन्द्रावरुणौ।

P.T.O.

(2)

- प्रश्न 7: किन्हीं पाँच पदों के साथ यथानिर्दिष्ट प्रत्यय लगाइयें ? (5x1=5)
 पाण्डु+अण्, चित्रा+अण्, कश्यप्+अण्, भानु+मतुप्, ज्ञान+मतुप्, बल+मतुप्, दीर्घ+तरप्,
 प्राचीन+तरप्, पवित्र+तमप्, निपुण+तमप्।
- प्रश्न 8: किन्हीं दो शब्द रूपों के सभी विभक्तियों में रूप लिखिए ? (2x5=10)
 तत्-पुलिंग, चन्द्रमस्, यत्-स्त्रीलिंग, एतत्-नपुंसकलिंग।
- प्रश्न 9: किन्हीं दो धातुओं के यथानिर्दिष्ट रूप लिखिए ? (2x5=10)
 √दा-लट् लकार, √प्रच्छ-लोट् लकार, √अस्-लृट् लकार, √कुप्-लङ् लकार।
- प्रश्न 10: किन्हीं दो छन्दों के लक्षण लिखकर उदाहरण सहित स्पष्टीकरण करें ? (2x5=10)
 इन्द्रवज्रा वंशस्य, अनुष्टुप्, उपेन्द्रवज्रा।
- प्रश्न 11: किन्हीं पाँच वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करें ? (5x2=10)
- हम सब चण्डीगढ़ जा रहे हैं।
 - बह अपना पाठ याद करता है।
 - चोर धन चुराता है।
 - शोर बन्द करो।
 - वह प्रतिदिन व्यायाम करता है।
 - तुम पहले कहाँ रहते थे।
 - पक्षी प्रातः चहचहा रहे हैं।
 - जंगल में मोर नाचता है।
 - छात्र विद्यालय कब आते हैं।
 - लव-कुश भाई हैं।